मद्रित पष्ठों की संख्या : 4

BHDC-134

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सी. बी. सी. एस.)
(बी. ए. जी.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2021
बी.एच.डी.सी.-134 : हिन्दी गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×18=36

(क) मैं आठवीं क्लास में पढ़ता था। तब मैं क्या समझता हूँगा, क्या नहीं समझता हूँगा। फिर भी वह बातें मुझे बिल्कुल अच्छी नहीं मालूम हो रही थीं। जी में कुछ बेमतलब गुस्सा चढ़ता आता था। जी होता था कि वहीं के वहीं कोई दुस्सह अविनय कर डालूँ। ऐसे भाव की कोई वजह न थी, पर बाबूजी की कुछ दबी हुई स्थिति की झलक उनके चेहरे पर देखकर बडी खीझ मालम

हो रही थी। पर जाने मुझे क्या चीज रोक रही थी कि मैं फट नहीं पडा।

(ख) सामने जलराशि का रजत शृंगार था। वरुण बालिकाओं के लिए लहरों से हीरे और नीलम की क्रीड़ा शैलमालायें बना रही थीं और वे मायाविनी छलनायें अपनी हँसी का कलनाद छोड़कर छिप जाती थीं। दूर-दूर से धीवरों का वंशी-झनकार उनके गीत-सा मुखरित होता था। चम्पा ने देखा कि तरल संकुल जलराशि में उसके कण्डील का प्रतिबिम्ब अस्त-व्यस्त था, वह अपनी पूर्णता के लिए सैकड़ों चक्कर काटता था। वह अनमनी होकर उठ खडी हई।

(ग) वंशीधर आज्ञाकारी पुत्र थे। ये बातें ध्यान से सुनीं और तब घर से चल खड़े हुए। इस विस्तृत संसार में उनके लिए धैर्य अपना मित्र, बुद्धि अपनी पथप्रदर्शक और आत्मावलम्बन ही अपना सहायक था। लेकिन अच्छे शकुन से चले थे, जाते ही जाते नमक विभाग के दारोगा पद पर प्रतिष्ठित हो गये। वेतन अच्छा और ऊपरी आय का तो ठिकाना ही न था। वृद्ध मुंशीजी को सुख-संवाद मिला तो फले न समाये। महाजन कछ नरम पडे।

कलवार की आशालता लहलहाई। पडोसियों के हृदय में शल उठने लगे।

(घ) इन्हीं में एक छोटा-सा बहुत ही ठिगना-पेड़ है, पत्ते चौड़े भी हैं, बड़े भी हैं। फूलों से तो ऐसा लदा है कि कुछ पूछिए नहीं। अजीब-सी अदा है, मुस्कराता जान पड़ता है। लगता है, पूछ रहा है कि क्या तुम मुझे भी नहीं पहचानते ? पहचानता तो हूँ, अवश्य पहचानता हूँ। लगता है, बहुत बार देख चुका हूँ। पहचानता हूँ उजाड के साथी, तम्हें अच्छी तरह पहचानता हूँ।

2. हिन्दी गद्य के विकास के कारणों की चर्चा कीजिए। 16

3. जैनेन्द्र कमार के उपन्यासों की विशेषताएँ बताइए। 16

4. 'त्याग-पत्र' के संरचना शिल्प का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए। 16

5. 'नमक का दारोगा' के सहायक पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं का परिचय दीजिए। 16

6. रामचंद्र शुक्ल के निबंधों की विशेषताओं का विवेचन कीजिए। 16

7. 'कुटज' की भाषा-शैली की विशेषताओं की सोदाहरण विवेचना कीजिए। 16

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×8=16

(क) 'सहस्र फणों का मणि-दीप' का कथ्य

(ख) द्विवेदी यगीन गद्य

(ग) यात्रावत्त और रिपोर्ताज

(घ) 'वापसी' कहानी का कथासार